Molecular Research Lab inaugurated at SGRR 7

9 De Stilte's Dance & Theatre Workshop stimulates participants

10 Inclusion of Value Education on Agecare essential: Singhal

The Premier English Daily

Garhwal Post

For Tomorrow's People!

www.garhwalpost.com | Vol.VI No. 140 | DEHRADUN | Sunday, 20 November, 2011 | Pages 16 | Price ₹ 1

U'khand's first Renewable Energy Summit at Tula's Institute

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, Nov 19: Tula's Institute collaborated with i-care, an organization working in the areas of sensitization, public awareness and environment conservation to organize the first Renewable Energy Summit at Tula's Institute.

The workshop featured a talk by Uttarakhand Jal-Vidyut Nigam's Operational Director BCK Mishra, who gave extensive information on sources of energy, available resources and the need to control their use in the present times. The Summit saw participation by students from many colleges from all over Uttarakhand who showcased their talents through the Renewable Energy Presentation Competition. The Chief Guest for the day-long program was Chancellor of Uttarakhand Technical University, Prof. DS Chauhan and PITCUL's Executive Director and MD Eng JP Tomar.

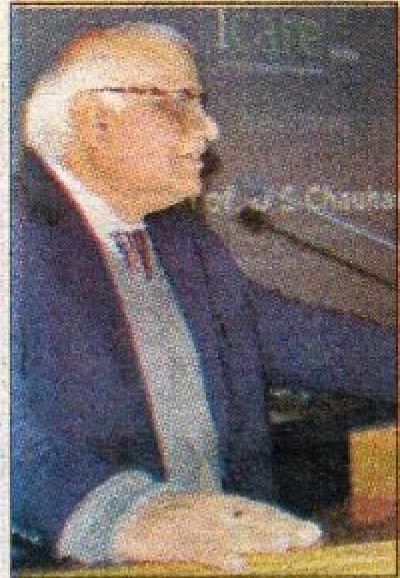

DGP Alok Lal attended the program as the distinguished guest. In his address, Prof. Chauhan said that in the current world of technological advancements, energy consumption is at its all-time high. The high consumption also poses as a threat to the world as the natural resources available are depleting at alarming rates. He urged students to focus on developing green energy. The Summit was held in two separate sessions for Law and Management students and for Electrical students. The competition for the non-electrical session was judged by ISHARE's Regional Head OD Sharma, ISHARE's President Prof. Dharambudhi, Dr. Pradeep Joshi and Hari.

The judges for the competition during the electrical session were UCOST's Senior Scientific Officer Sarita Khandka, MD of Ados Solar JS Bisht, PITCUL's Executive Director JP Tomar and Ashish Vashishth. The competition in the non-electrical category was won by Tula's Amit Mohan Saklani, followed by Vikas Bhardwaj from DIT (second) and Shivraj Singh Negi from UIT (third). In the electrical category, Arjit Vidwani stood first, Harshit Agrawal was second and Himanshu Gupta came in third.

नगर संस्करण, पृष्ठ 16+4 (संडे उमंग), वर्ष-5, अंक-1476, मूल्य ₹ 2.00
• देहरादून • नई दिल्ली • लखनऊ • गोरखपुर • पटना •
राष्ट्रीय सहारा
सच कहने की हिम्मत
सोना ₹29205
चांदी ₹56400
रविवार, देहरादून, 20 नवम्बर 2011
राष्ट्रीयता । कर्तव्य । समर्पण
www.rashtriyasahara.com

ऊर्जा स्त्रोतों में आने वाली कमी एक चुनौती : प्रो. चौहान

▶ तुलाज इंस्टीट्यूट में रिन्यूवेबल एनर्जी समिट का आयोजन

देहरादून (एसएनबी)। तुलाज इंस्टीट्यूट में आयोजित रिन्यूवेबल एनर्जी समिट में ऊर्जा के स्रोतों, संसाधनों व खपत के नियंत्रण पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि भविष्य में ऊर्जा स्रोतों में आने वाली कमी एक चुनौती है जिससे बचने के लिए रिन्यूवेबल एनर्जी पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। खासतौर पर इसके लिए युवाओं को आगे आना चाहिए।

शनिवार को तुलाज इंस्टीट्यूट व आई केयर संस्था द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि उत्तराखंड तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. डीएस चौहान ने किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में घरेलू उपयोग से लेकर व्यापार के क्षेत्र तक उर्जा की खपत लगातार बढ़ रही है। इसके चलते उर्जा के स्त्रोतों में कमी आती जा रही है जिससे भविष्य में संकट बढ़ सकता है। इससे बचने के लिए रिन्यूवेबल एनर्जी पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

उत्तराखंड जलविद्युत निगम के ऑपरेशनल डायरेक्टर बीसीके मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को विभाग द्वारा निर्मित रिन्यूवेबल एनर्जी पर आधारित प्रजेन्टेशन दिखाई जिसमें उर्जा के स्त्रोतों के मौजूदा हालात व भविष्य में होने वाली कमी को ग्राफ के जरिये प्रदर्शित किया गया। उन्होंने बताया कि बगैर ऊर्जा के जीवन की कल्पना बेमानी है।

तुलाज इंस्टीट्यूट के चेयरमैन सुनील कुमार जैन ने कहा कि उत्तराखंड का पहला रिन्यूवेबल एनर्जी समिट का आयोजन संस्थान के लिए गौरव की बात है। उन्होंने ऊर्जा के संकट को देखते हुए जागरूकता लाने के लिए छात्र-छात्राओं से आगे आने का आह्वान किया।

बतौर विशिष्ट अतिथि पुलिस महानिदेशक आलोक लाल ने भी छात्रों को प्रोत्साहित किया। पिटकुल के एमडी जेपी तोमर, यूकॉस्ट के सरिता खंडका, एडोस सोलर के एमडी जेएस बिष्ट, पिटकुल आशीष वशिष्ठ, ओडी शर्मा, प्रो. धर्मबुद्ध, डा. प्रदीप जोशी, आई केयर के सीईओ युधिष्ठिर आदि ने भी विचार व्यक्त किये।

इस मौके पर दो वर्गों में रिन्यूवेबल एनर्जी प्रजेन्टेशन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें नॉन इलेक्ट्रिकल वर्ग में रिन्यूवेबल एनर्जी प्रजेन्टेशन में तुलाज के अमित मोहन सकलानी प्रथम, डीआईटी के विकास द्वितीय व यूआईटी के शिवराज सिंह नेगी तृतीय रहे। इलेक्ट्रिकल वर्ग में अर्जित गिदवानी प्रथम, हर्षित अग्रवाल द्वितीय व हिमांशु गुप्ता तृतीय रहे। विजेताओं को डीजीपी आलोक लाल ने पुरस्कृत किया।

संस्थान की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सिल्की जैन ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी लोगों का आभार जताया। इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार, रजिस्ट्रार डा. पवन चौबे, सुजीत सुरेन्द्रन, अम्बरीश बिष्ट, मुकेश मोहन, सीपी अग्रवाल, प्रो. पृथ्वी दत्ता, रोहित बेदी, डा. वीएल मोनी, डा. मानवेंद्र सिंह पाहवा, राजेश पंत, अतुल शर्मा, पूजा शर्मा, आंचल राना, अर्पित जैन, सुरभि अरोरा, अंकित श्रीवास्तव, अभिदेव भट्टाचार्य भी मौजूद थे।

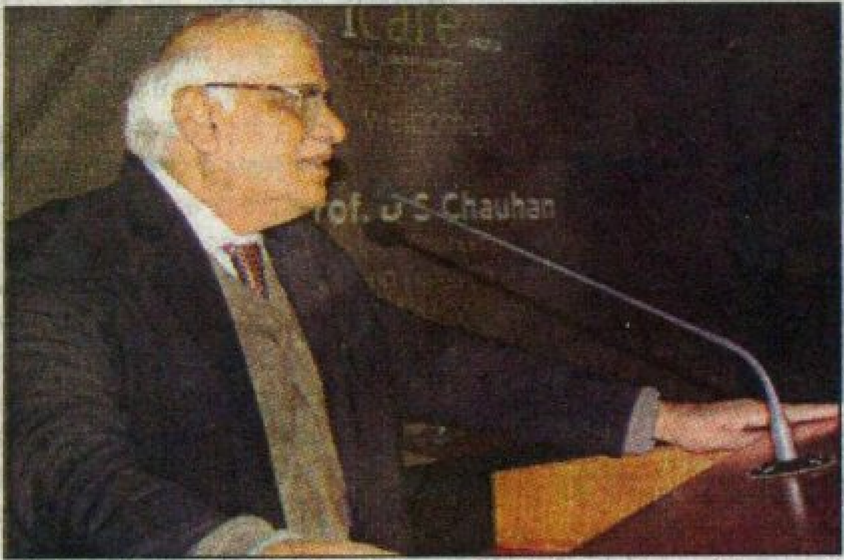

विचार व्यक्त करते यूटीयू के कुलपति प्रो. डीएस चौहान। फोटो : एसएनबी

दैनिक जागरण

रिन्यूएबल एनर्जी पर सम्मेलन

देहरादून : तुलाज इंस्टीट्यूट में रिन्यूएबल एनर्जी पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। शनिवार को आयोजित सम्मेलन में सामाजिक संस्था आई केयर इंडिया ने भी सहभागिता की। इस अवसर पर बतौर विशेषज्ञ उत्तराखंड जल विद्युत निगम के निदेशक संचालन बीसीके मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को ऊर्जा स्रोत, संसाधन और मौजूदा हालात में उसकी खपत पर नियंत्रण आदि विषयों पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तराखंड तकनीकी विवि के कुलपति डीएस चौहान ने किया। कार्यक्रम में पिटकुल के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर ई. जेपी तोमर, तुलाज इंस्टीट्यूट के चेयरमैन सुनील कुमार जैन, डीजीपी आलोक लाल आदि थे।

i next

Jagran

summit organised at tula's

प्रोग्राम का इनॉगरेशन करते गेस्ट्स.

▸ energy के मौजूदा हालात व खपत पर किया विचार-मंथन

i-next reporter

DEHRADUN(19 Nov): आई केयर इंस्टीट्यूट ने तुलाज इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर संस्थान के सभागार में रिन्यूवेबल एनर्जी समिट का आयोजन किया. इसका शुभारंभ बतौर चीफ गेस्ट उत्तराखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. डीएस चौहान, पिटकुल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर व एमडी ईजी. जेपी तोमर, तुलाज इंस्टीट्यूट के चेयरमैन सुनील कुमार जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस मौके पर एनर्जी के सोर्सेज व मौजूदा हालात में उनकी खपत पर नियंत्रण सम्मेलन में भाग लेने आए उत्तराखंड जल विद्युत निगम के ऑपरेशनल डायरेक्टर बीसीके मिश्रा ने स्टूडेंट्स को विस्तार से जानकारी दी. इसी के साथ ही प्रदेश भर से आए कई कॉलेजेज के स्टूडेंट्स ने समिट में रिन्यूवेबल एनर्जी प्रेजेंटेशन कॉम्पिटीशन में पार्टीसिपेट करके अपनी टैलेंट दिखाई. तुलाज इंस्टीट्यूट के सभागार में आयोजित इस समिट से प्रदेश भर के कई सम्मानित लोगों ने भी शिरकत की व अपने विचार रखें.

dehradun@inext.co.in

शाह टाइम्स

ऊर्जा की खपत रोकने को आगे आएं युवा: चौहान

देहरादून। समाज में साक्षरता, पर्यावरण व जनसाधारण के सशक्तिकरण को संवारने, संजोने व और बेहतर बनाने के प्रयास में जुटी संस्था आई केयर ने तुलाज इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर संस्थान के सभागार में रिन्यूवेबल एनर्जी समिट का आयोजन किया। जहां उर्जा के स्रोतों, संसाधनों व मौजूदा हालात में उसकी खपत पर नियंत्रण पर सम्मेलन में भाग लेने आये उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम के डायरेक्टर बीसीके मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी। एक दिवसीय सम्मेलन में उर्जा के स्रोतों, संसाधनों व मौजूदा हालात में उसकी खपत पर नियंत्रण कैसे करें पर विचार रखे गये। सम्मेलन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीएस चौहान, पिटकुल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर व एमडी इंजी. जेपी तोमर, तुलाज इंस्टीट्यूट के चेयरमैन सुनील कुमार जैन, उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम के ऑपरेशनल डायरेक्टर बीसीके मिश्रा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। विशिष्ट अतिथि के रुप में उत्तराखण्ड के डीजीपी आलोक लाल उपस्थित रहे। उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. चौहान ने कहा कि आज तकनीकि के युग में पूरी दुनिया में उर्जा का उपयोग चरम पर है घरेलू उपयोग से लेकर व्यापार के क्षेत्र तक सभी में उर्जा की खपत लगातार बढ़ रही है जिस कारण उर्जा की भी लगातार कमी हो रही है। लगातार हमारे उर्जा के स्रोतों में आने वाली कमी भविष्य में विश्व के सामने एक बड़ा संकट बनकर खड़ा होगा। इस संकट से बचाने के लिए हमें रिन्यूवेबल एनर्जी पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है।